www.ccsuniversity.ac.in www.ccsutsmc.in

मासिक समाचार पत्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

परिसर

मेरठ, अक्टूबर–नवंबर 2022, अंक– 7

नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं का जोरदार स्वागत 6

छात्रों ने सीखे फिल्म निर्माण के गुर 5

परिसर के पेड़ों पर लगे क्यूआर कोड 3

योग से सरिया मोड़ा, सीने पर पत्थर तोड़ा 2

इस बार कुछ अलग होगा दीक्षांत समारोह

समारोह से पहले होंगी कई प्रतियोगिताएं और सम्मेलन

कावेरी योगी

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का 34वां दीक्षांत समारोह 15 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति करेंगी। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि दीक्षा समारोह से पहले होनहारों के बीच प्रतियोगिता के रूप में कई मुकाबले होंगे। इनमें विद्यार्थी अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। मुख्य समारोह के तीन–चार दिन पहले से विश्वविद्यालय में दीक्षोत्सव मनाया जाएगा।

दीक्षा समारोह से पहले होने वाले आयोजनों में खेल प्रतियोगिताएं, काव्य लेखन, चित्रकला, देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, भाषण प्रतियोगिता, महिला सम्मेलन और शैक्षिक विषयों पर सम्मेलन आयोजित होगा। इसके साथ ही युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करने व मार्गदर्शन के लिए ओजस्वी वक्ताओं को भी आमंत्रित किया जायेगा। इन सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा।

दीक्षा समारोह के पूर्व उक्त गतिविधियों के अलावा विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वर्ण पदक, कुलाधिपति स्वर्ण पदक, किसान ट्रस्ट द्वारा चौधरी चरण सिंह स्मृति पुरस्कार, प्रायोजित पदक, कुलपति स्वर्ण पदक, विशिष्ट योग्यता प्रमाणपत्र, शोध छात्रों की उपाधि, लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस, एमडी व एमएस उपाधिधारकों व विश्वविद्यालय स्तर से एमए, एमएससी व अन्य पाठ्यक्रमों के उपाधि धारकों को उपाधि प्रदान की जाएगी।

प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोर–शोर से शुरू हो गई हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी और प्रांतीय शैक्षिक कार्यशाला में मंचासीन कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और अन्य अतिथिगण।

प्राचीन शिक्षा पद्धति में विज्ञान का भी महत्व

राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रांतीय शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की ओर से 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और प्रांतीय शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने की।

कुलपति ने कहा कि हमारी प्राचीन शिक्षा पद्धति में धर्म, भाषा, शिक्षा व साहित्य के अतिरिक्त ज्ञान, विज्ञान, गणित, ज्योतिष, रसायन व संगीत भी महत्वपूर्ण है।

मां शाकंभरी विश्वविद्यालय सहारनपुर के कुलपति प्रोफेसर हृदय शंकर सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला और उसकी महत्ता बताई। न्यास के इतिहास व लक्ष्यों का परिचय प्रोफेसर संजय शर्मा ने कराया। अतिथि व्याख्यान शिक्षा संस्कृति संस्थान के उत्तर क्षेत्र के संयोजक जगराम ने दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से सकारात्मक जीवन मूल्यों के बारे में बताया। चिकित्सा शास्त्र के हिंदी शोध पत्र पुनर्नवा का भी विमोचन किया गया। कृषि संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह गौरव ने सभी का स्वागत किया।

नवांकुर फिल्मोत्सव का दीप जलाकर शुभारंभ करते अतिथि (बाएं) और पांच मिनट की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार पाने वाली फिल्म के सदस्य अतिथियों के साथ।

अभिनेता बनने के लिए खूबसूरती नहीं प्रतिभा चाहिए

सीसीएसयू में आयोजित नवांकुर फिल्म महोत्सव में पहुंचे प्रख्यात फिल्म निर्माता–निर्देशक मनोज अग्रवाल ने कहा

भारत अधाना

मेरठ। अभिनेता बनने के लिए खूबसूरत होना जरूरी नहीं है। बस आप में प्रतिभा होनी चाहिए। देश में सिनेमा को लेकर बहुत काम हो रहा है। अभिनय करने के लिए अब अनेक प्रकार के मंच आ गए हैं। इन मंचों के माध्यम से बहुत सारी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। यह बात रविवार 30 अक्टूबर को को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और मेरठ चलचित्र सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नवांकुर–22 फिल्म महोत्सव में आए प्रसिद्ध फिल्म निर्माता–निर्देशक मनोज अग्रवाल ने कही।

एप्लाइड साइंस आडिटोरियम में हुए कार्यक्रम में मनोज ने कहा कि सपने देखना अच्छी बात है। सपने लेकर मुंबई आइए, बहुत सारे प्लेटफार्म हैं, जिस पर आपको काम मिल सकता है।

कला संकाय अध्यक्ष प्रो. नवीन चंद लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में बहुत काम हो रहा है। नए–नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। आने वाले समय में स्कूल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्क्रिप्ट लिखने वाले फिल्म प्रोडक्शन व एडिटिंग करने वाले प्रतिभाशाली छात्र निकलेंगे। हम सभी को पता है कि मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद व मेरठ का हिंदी सिनेमा में योगदान रहा है। आने वाले समय में नवांकुर फिल्म महोत्सव में युवा निर्देशकों की प्रतिभागिता बढ़ेगी।

निर्णायक मंडल में डा. दिशा दिनेश, डा. प्रदीप पंवार व सुरेंद्र सिंह रहे। मेरठ चलचित्र सोसायटी के सचिव अमरीश पाठक व अध्यक्ष डा. मनोज श्रीवास्तव ने भी विचार व्यक्त किए।

स्कूल के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन साक्षी, अदिति व वरुणिका शर्मा ने किया। इस मौके पर अजय मित्तल, डा. अशोक कुमार, डा. रामचंद्र, डा. पूजा चौहान, मितेंद्र गुप्ता मौजूद रहे।

उधर, विश्वविद्यालय आगमन पर वरिष्ठ फिल्म फोटो जर्नलिस्ट ज्ञान दीक्षित ने मनोज अग्रवाल का स्वागत किया।

11 राज्यों से आई 48 फिल्में

नवांकुर–22 फिल्म महोत्सव के लिए 11 राज्यों से 48 फिल्में आईं। निर्णायक मंडल की स्क्रीनिंग के बाद 18 फिल्मों का चयन किया गया।

इनमें पांच मिनट वाली 10 व 15 मिनट वाली आठ फिल्मों का प्रसारण किया गया।

पांच मिनट वाली फिल्मों में इनको मिला पुरस्कार

- प्रथम– अंतर
- द्वितीय– शुभ दीपावली
- सांत्वना– संकल्प, दर्द विभाजन का, द हेलमेट

15 मिनट वाली फिल्मों में इनको मिला पुरस्कार

- प्रथम– चप्पल
- द्वितीय– जीवन आनंद
- सांत्वना– कास्टलेस, मां की विरासत, सशक्त गांव–समृद्ध भारत

सर छोटूराम इंस्टीट्यूट में खेल उत्सव

मैदान में बल्ला थामकर मैच का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित सर छोटूराम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 16 से 18 नवंबर तक खेल उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान इंस्टीट्यूट के युवाओं ने क्रिकेट, वॉलीबाल, बास्केटबाल, शतरंज, बैडमिंटन आदि में अपने दमखम का प्रदर्शन किया।

क्रिकेट में सीएसई की टीम एमई को हराकर विजेता बनी। बास्केटबाल में आईटी टीम ने फाइनल जीता। शतरंज प्रतियोगिता की विजयी बाजी भी सीएसई के नाम रही। बालिकाओं की बैडमिंटन स्पर्धा में ईसीई की टीम बीबीए को पराजित करके विजेता बनी।

योग शक्ति से सरिया मोड़ा, सीने पर पत्थर तोड़ा

अर्पित शर्मा

मेरठ। सीसीएसयू के संस्कृत विभाग में 27 अक्तूबर से दो नवंबर तक व्यास समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्कृत वाद विवाद प्रतियोगिता, शोध संगोष्ठी, संस्कृत कवि सम्मेलन जैसे आयोजन हुए। विभाग के समन्वयक प्रोफेसर वाचस्पति मिश्र ने बताया कि समारोह का उद्देश्य विभाजित साहित्य का गहन अध्ययन और चिंतन करना था।

समारोह के पहले दिन शोभायात्रा निकली, जो औघड़नाथ मंदिर, छतरी पीर और सेंट जोजफ चर्च होते हुए सूरजकुंड पहुंची। कुलानुशासक प्रोफेसर बीरपाल सिंह ने यात्रा का स्वागत किया। समारोह के आरम्भ सत्र में वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर वाई. विमला ने समृद्धि एवं संस्कृति को नई तकनीकी से जोड़कर अपडेट रहते हुए मानव मूल्यों को संजोए रखने की बात कही। कला संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी ने 30 सालों से आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की। प्रोफेसर सुधाकराचार्य त्रिपाठी ने कहा कि यह अनूठा कार्यक्रम विश्वभर में संस्कृत के लिए विख्यात है।

दूसरे दिन अंतर महाविद्यालय संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता, भागवत पुराण शोध संगोष्ठी और योग बल प्रदर्शन किया गया। इस दौरान योग प्रशिक्षुओं ने गले से सरिया मोड़ना, सीने पर पत्थर तोड़ना, सिर, हाथ, पैर पर ट्यूबलाइट फोड़ने की प्रस्तुति से दर्शकों को हैरत

में डाल दिया। डॉ. राजवीर के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कमलदल, चक्र, स्पूत निर्माण का प्रदर्शन भी किया।

तीसरे दिन पौराणिक कथा और कवि समवाय का आयोजन, चौथे दिन कालीचरण पौराणिक स्मृति व्याख्यान,भागवत पुराण शोध पत्रों का वाचन किया गया। संस्कृत के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। पांचवें और छठे दिन भी पौराणिक कथा पर कार्यक्रम और कवि समवाय का आयोजन किया गया। सातवें और अंतिम दिन समापन और पुरस्कार वितरण हुआ। इस दौरान संयोजक डॉ. पूनम लखनपाल, डॉ. संतोष कुमारी, डॉ. नरेंद्र कुमार तेवतिया आदि मौजूद रहे।

घटना की सही प्रस्तुति से निर्दोष को सजा से बचाती है पत्रकारिता

'पुलिस और पत्रकारिता' पर तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में गोष्ठी

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में 17 सितंबर को 'पुलिस और पत्रकारिता' विषय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया ने कहा कि पत्रकारिता समाज के प्रहरी के रूप में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाती है। लोकतंत्र के तीन स्तंभों में संतुलन बनाने का कार्य भी पत्रकारिता का ही है। जनता और पुलिस के मध्य पत्रकारिता पुल का काम करती है। इन दोनों के बीच आपसी विश्वास बना रहना चाहिये।

अरविंद चौरसिया ने कहा कि यदि विश्वास कम होगा तो उसका नुकसान समाज को उठाना पड़ सकता है। इसलिए हमें परस्पर संवाद बनाए रखना चाहिये क्योंकि संवादहीनता तमाम तरह की भ्रांतियों एवं भ्रामक विचारों को जन्म देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहानी ने कहा कि पत्रकारिता की भाषा शैली में बदलाव हुआ है। भाषा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए, जो समाचारों को सनसनीखेज बनाने से बचे। कई अवसर ऐसे आए हैं जब पत्रकारिता ने घटनाओं को सही ढंग से प्रस्तुत करते हुए निर्दोष लोगों को सजा से बचाया है और मानवता की सेवा की है।

वरिष्ठ पत्रकार संतोष शुक्ला ने कहा कि एक पत्रकार को उम्रभर एक छात्र के रूप में रहना चाहिए। तथ्यों पर आधारित क्राइम पत्रकारिता करते समय आईपीसी की धाराओं का ज्ञान होना आवश्यक है। खबर लिखने से पहले शब्दों का चयन भी ठीक होना चाहिए। हम क्या लिख रहे हैं जिससे किसी के मन को ठेस न पहुंचे और कोई विवाद न हो।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने किया।

अच्छे अनुसंधान के लिए लिखें कम, पढ़ें ज्यादा

राजनीति विज्ञान विभाग में हुई शोध प्रविधि कार्यशाला

- शोध प्रविधि के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला
- रुचि के अनुसार विषय का चुनाव करना चाहिए

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 16–17 सितंबर को आयोजित दो दिनी 'शोध प्रविधि' कार्यशाला में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में समाज विज्ञान विभाग के संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर असलम बेग ने कहा कि शोधकर्ता को अपनी रुचि के अनुसार विषय का चुनाव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान करने के लिए पढ़ना ज्यादा और लिखना कम चाहिए।

एक अन्य सत्र के मुख्य वक्ता भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली के प्रोफेसर सुरेश मिश्रा ने कहा कि शोध परियोजना मौलिक होनी चाहिए, जिससे कि समाज में उससे फायदा हो सके। इससे पहले कार्यशाला के पहले दिन प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा ने कहा कि अनुसंधान शब्द अपने आप में बहुत व्यापक है। सेंटर फार स्टडी आफ डेवलपिंग सोसायटीज दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रोफेसर संजय कुमार ने अनुसंधान क्या है? क्यों करते हैं? आदि के बारे में बताया। सीसीएसयू के पूर्व प्रति कुलपति प्रोफेसर जे.के. पुंडीर ने शोध प्रविधि के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि यह शोध प्रविधि कार्यशाला अनुसंधानकर्ताओं के लिए क्यों और कितनी महत्वपूर्ण है।

परिसर में लगे प्लास्टिक वेस्ट से बने बैन्च

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए प्लास्टिक वेस्ट से बने बैन्च और ट्री–गार्ड लगाए गए हैं। दिल्ली की कंपनी से हुए करार के बाद विश्वविद्यालय की ओर से कंपनी को प्लास्टिक वेस्ट भी मुहैया कराया जायेगा।

इसी तरह के बैन्च विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर रखे जायेंगे। साथ ही पौधों व पेड़ों की सुरक्षा के लिये ट्री–गार्ड लगाए जायेंगे। यह सामान बारिश और धूप में भी खराब नहीं होंगे और देखने में भी अच्छे लग रहे हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक ई–रिक्शा भी खरीदा है जो विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर खड़ा रहेगा। विश्वविद्यालय आने वाले किसी बुजुर्ग व्यक्ति या जरूरतमंद लोगों को ई–रिक्शा से ही संबंधित विभागों में पहुंचाने की सुविधा प्रदान की जायेगी।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादक** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **समाचार संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय सहयोगी** : श्रीमती बीनम यादव, **संपादकीय टीम** : अर्पित शर्मा, सूर्य प्रताप सिंह, भारत अधाना, जेसिका, कावेरी **(बीजेएमसी तृतीय वर्ष)**, गोस–ए–आजम, आयुषी भड़ाना **(बीजेएमसी द्वितीय वर्ष)**, विनीता **(बीजेएमसी प्रथम वर्ष)**।

तीरंदाजी की तरह जीवन में भी लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ें युवा

सूर्य प्रताप सिंह

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में 16 और 17 नवंबर को महिला पुरुष अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता 2022–23 का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का आरंभ लक्ष्य साधकर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार तीरंदाजी में अपना लक्ष्य बनाकर निशाना लगाना होता है, उसी तरह युवा जीवन में अपना लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ें।

सीसीएसयू के क्रीड़ाधिकारी डॉ. गुलाब सिंह रुहल के अनुसार दो दिनी प्रतियोगिता में 16 कॉलेजों के 34 पुरुष और नौ महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान रिकर्व और कंपाउंड राउंड और इंडियन राउंड की विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुलसचिव धीरेंद्र कुमार मुख्य अतिथि रहे।

निशाना साधकर तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

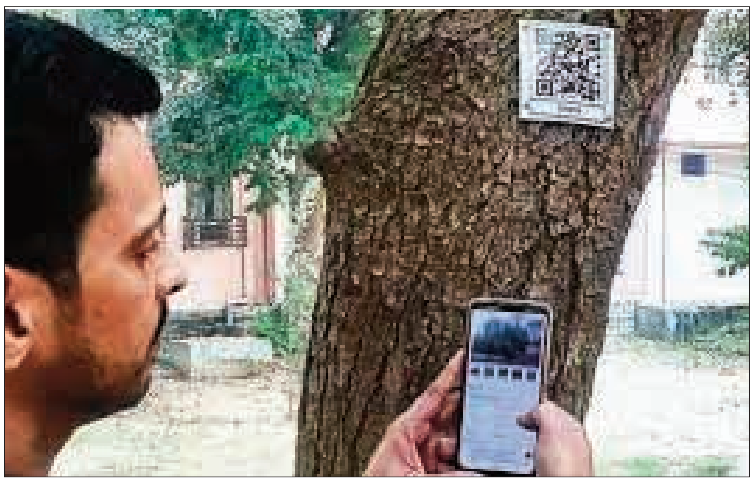

औषधीय पेड़ों संग हैं फलदार वृक्ष भी

आंकड़ों के अनुसार सीसीएसयू परिसर में तमाम औषधीय पौधों के साथ ही फलदार पौधों की भी बहुतायत है। कम दिखने वाले कुछ पेड़ों में सीता अशोक का एक, रुद्राक्ष के पांच, कामलता के दो, सहतूत, बालक खीरा के 30, सहजन के 25, कटहल के 10, अर्जुन के 86 के साथ डेविल्स इयर यानी शैतान के कान प्रजाति के पेड़ भी हैं। वहीं फलदार पेड़ों में आम के 238, अमरूद के 275, आंवला के 81, बेल के 201, आडू के 11, इमली के 10, जामुन के 220, लीची के 10, बेर के 65, नासपाती के तीन पेड़ हैं।

विश्वविद्यालय परिसर के पेड़ों पर लगे क्यूआर कोड

- डेविल्स इयर से वट वृक्ष तक लगाए गए कोड, एक स्कैन से मिलेगी पूरी जानकारी
- परिसर में हैं 70 प्रजातियों के 11,886 पेड़, 68 की जीओ टैगिंग, 351 पर लगे कोड

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर के हरे–भरे परिवेश में अक्सर पेड़ों पर निगाह टिक जाती हैं। हम उन्हें पहचानने की कोशिश करते हैं पर जानकारी नहीं मिल पाती है। विश्वविद्यालय के होर्टीकल्चर विभाग ने अब पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाए हैं। मोबाइल कैमरे से इन क्यूआर कोड को स्कैन करते ही पेड़ की प्रजाति से संबंधित पूरा विवरण स्क्रीन पर होगा।

करीब तीन महीने के प्रयास से पौधों की गणना और नए साफ्टवेयर से विकसित क्यूआर कोड से सीसीएसयू परिसर में व्याप्त पेड़ों की प्रजातियों के विवरण सीसीएसयू सर्वर से जोड़ दिए गए हैं।

80 प्रतिशत क्षेत्र में है हरियाली

सीसीएसयू परिसर में मानकों के अनुरूप 80 प्रतिशत खुला क्षेत्र पेड़–पौधों से सुसज्जित है। होर्टीकल्चर विभाग के अनुसार परिसर में 70 प्रजातियों के 11,686 पेड़ हैं। इनमें 68 प्रजाति के पेड़ों की जियो टैगिंग की जा चुकी है और 351 पेड़ों में क्यूआर कोड लगाए गए हैं।

औसतन हर प्रजाति के करीब पांच पेड़ों में यह क्यूआर कोड लगे हैं। क्यूआर कोड परिसर के प्रमुख जगहों पर स्थित पेड़ों पर लगे हैं जहां लोगों की आवाजाही होती है जिससे यदि कोई क्यूआर कोड को स्कैन कर पेड़ के बारे में जानना चाहे तो उन्हें मुख्य रास्तों पर ही मिल जाए। होर्टीकल्चर विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र ढाका ने यह कार्य डा. पवित्र देव व डा. विजय मलिक के साथ पूरा किया है।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग ने मनाया 25वां स्थापना दिवस

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के निर्देशन में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में 6 नवंबर को विभाग का 25वां स्थापना दिवस मनाया। इसमें मुख्य अतिथि डॉक्टर अमित कुमार (सह आचार्य जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ) उपस्थित रहे।

इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जितेंद्र सिंह ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष ने बताया कि विभाग की स्थापना 25 वर्ष पूर्व तत्कालीन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अमर प्रकाश गर्ग के नेतृत्व में हुई थी। उस समय विभाग में एमफिल माइक्रोबायोलॉजी कोर्स प्रारंभ किया था। एमफिल के 10 छात्रों से शुरू होकर आज विभाग में अलग–अलग कोर्सों में छात्रों की संख्या 200 से ऊपर पहुंच गई है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ अमित कुमार ने 'नीड टू अंडरस्टैंड माइक्रोबायोलॉजी' विषय पर व्याख्यान दिया और एंटीबायोटिक्स के अत्यधिक प्रयोग को रोकने पर बल दिया।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में विभाग का 25 वां स्थापना दिवस मनाया गया।

प्रोफेसर वाई विमला ने बताया इस विभाग में एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, अप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बायो इनफॉर्मेटिक्स, बीएससी फूड माइक्रोबायोलॉजी जैसे कार्यक्रम संचालित हैं।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ दिनेश पंवार ने बताया कि प्रोफेसर वाई विमला के नेतृत्व में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का यह प्रथम विभाग है जो आईएसओ द्वारा प्रमाणित है।

इस दौरान डॉ लक्ष्मण नागर, अंबिका, डॉ दिनेश कुमार, डॉ अजय कुमार शुक्ला, डॉ अश्वनी शर्मा, डॉ कपिल स्वामी, डॉक्टर पायल, डॉ. प्रीती, डॉ. अंजली मलिक, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. दिलशाद अली, डॉ. दिनेश कुमार शर्मा, डॉ.प्रदीप पवार, पुनीत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल ने दिया एकात्म मानव दर्शन

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 106वीं जयंती पर 'एकात्म मानव दर्शन एक सनातन परिप्रेक्ष्य' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ। दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित व्याख्यान प्रो पवन कुमार शर्मा ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना 2 जनवरी 2018 को की गई थी।

उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से सबंधित कई पुस्तकों और लघु पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया गया है। 12 से अधिक कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया है। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानव का दर्शन प्रस्तुत किया।

केवल डिग्री के लिए न पढ़ें, अपना व अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें

राजकीय महाविद्यालय जेवर के भवन लोकार्पण कार्यक्रम में कुलपति ने कहा

परिसर संवाददाता

मेरठ। राजकीय महाविद्यालय (संघटक महाविद्यालय) जेवर, गौतमबुद्धनगर में बृहस्पतिवार 10 नवंबर को भवन लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेर संगीता शुक्ला ने की। मुख्य अतिथि विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग की वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर वाई विमला, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रोफेसर मृदुल गुप्ता, प्रोफेसर इंचार्ज/कला संकालायध्यक्ष प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी, कुलसचिव धीरेंद्र सिंह और वित्त अधिकारी रमेशचंद्र भी उपस्थित रहे।

कुलपति, विधायक, विज्ञान संकाध्यक्ष और कुलसचिव ने रिबन काटकर भवन का लोकार्पण किया।

राजकीय महाविद्यालय जेवर में भवन लोकार्पण कार्यक्रम में मंचासीन कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी और शिक्षक।

वृक्षारोपण भी किया गया। नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन भी हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि छात्राएं केवल डिग्री के लिए न पढ़ें बल्कि आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में अपना व क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने कुछ नए पाठ्यक्रम शुरू करने का आश्वासन दिया जिसमें मुख्यतः संगीत, अंग्रेजी और कोचिंग की कक्षाएं शामिल हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुज कुमार अग्रवाल ने विगत 40 दिनों में महाविद्यालय में हुई गतिविधियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ई–पुस्तकें उपलब्ध होंगी

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय अब छात्रों का अकादमिक प्रदर्शन संवारने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की ई–पुस्तकें भी उपलब्ध कराएगा। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अगुआई में शुक्रवार 18 नवंबर को हुई विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय की ओर से स्प्रिंगर, नेचर, ई–बुक कलेक्शन और रूटलेड ई–बुक कलेक्शन को सब्सक्राइब किया जायेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने दो करोड़ रुपये के सब्स्क्रिप्शन का प्रावधान किया है।

इसके अलावा सीसीएसयू परिसर के स्टार्टअप सेल एवं इनक्यूबेशन सेंटर में संविदा पर इनक्यूबेशन मैनेजर नियुक्त किया जाएगा। विश्वविद्यालय की वित्त समिति ने स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों के लिए नियुक्त शिक्षकों को राहत दी है। सीसीएसयू परिसर और कॉलेजों के स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों के शिक्षकों को भी शिक्षक कल्याण कोष का लाभ मिलेगा। परिसर और कॉलेजों में नियमित शिक्षकों एवं स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षकों को गंभीर बीमारी की दशा में दो लाख रुपये तक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। सामान्य बीमारी में अधिकतम 50 हजार और शिक्षक की मृत्यु होने की दशा में मृतक आश्रित को पांच लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

सीसीएसयू को 194 करोड़ आय

सीसीएसयू को वर्तमान सत्र में कुल 194 करोड़ रुपये की आय हुई। इनमें से 104 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। कुल 90 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।

फोटो फीचर

आयुशी भड़ाना

परिसर की एक सुबह

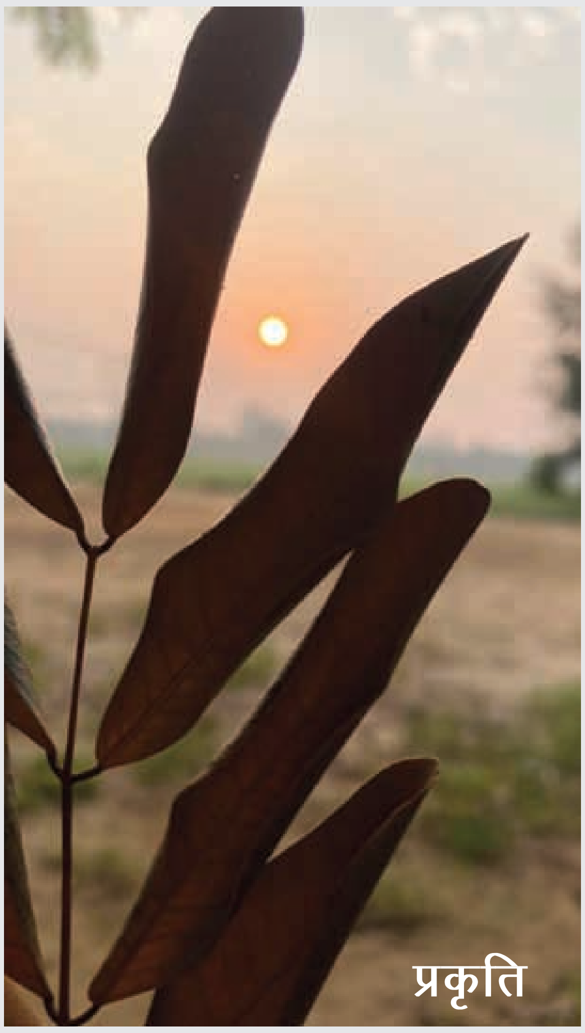

प्रकृति

अनूठे रंग

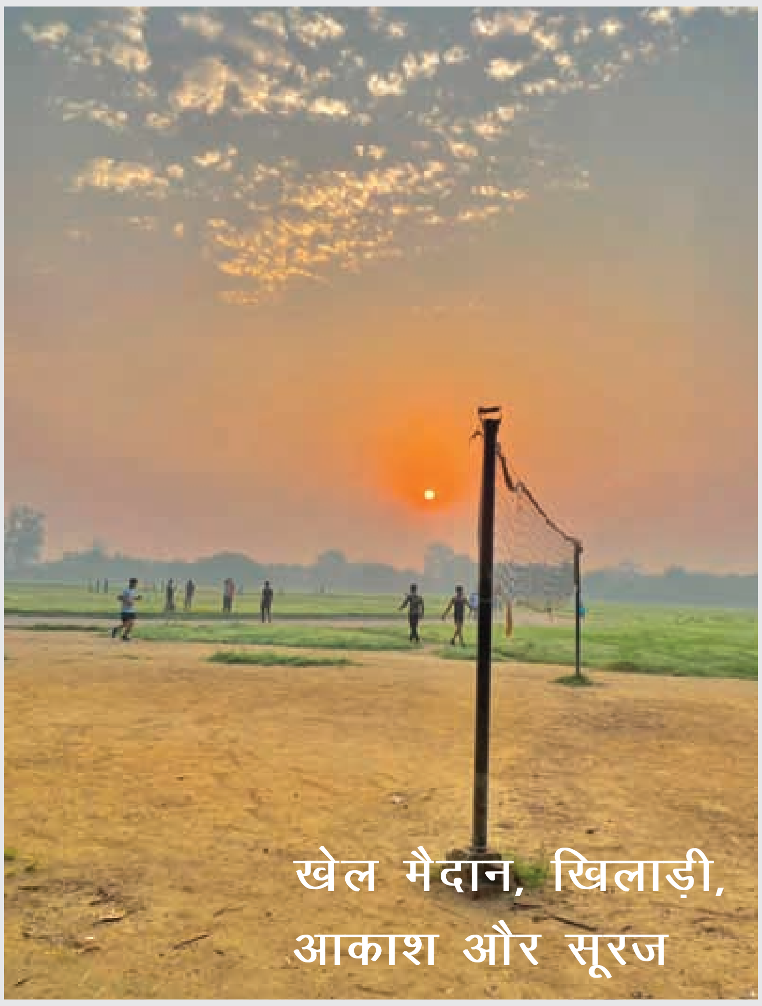

खेल मैदान, खिलाड़ी, आकाश और सूरज

हरियाली

पत्ती

छात्रों ने सीखे फिल्म निर्माण के गुर

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में फिल्म निर्माण और सिनेमैटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन

गोस–ए–आजम

मेरठ। सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में नवंबर के प्रथम सप्ताह में चार दिवसीय फिल्म निर्माण और सिनेमैटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में फिल्म निर्देशक नितिन यदुवंशी ने छात्रों को फिल्म निर्माण की तमाम बारीकियों से परिचित कराया।

यदुवंशी ने कहा कि फिल्म की सफलता के लिए कैमरा, दृश्य, पटकथा और संवाद का सामंजस्य होना बेहद जरूरी है। यदि हम पटकथा के अनुरूप ही विजुअल लेते हैं तभी कहानी के साथ न्याय होता है। ऐसा नहीं करने पर कहानी का उद्देश्य निरर्थक हो सकता है।

उन्होंने फिल्म निर्माण के विभिन्न चरणों जैसे प्री–प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बजट, टीम, लोकेशन, रिसर्च, पटकथा, शूटिंग, स्क्रीन प्ले आदि की चर्चा की। उन्होंने कहा कि फिल्मों की सफलता में गीत और संगीत भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कहा कि छात्रों को इस क्षेत्र में करियर की शुरुआत डॉक्यूमेंट्री और विज्ञापन फिल्मों से करनी चाहिए। कार्यशाला के पहले दिन विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, नेहा कक्कड़, लव कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

फिल्म निर्माण पर हुई कार्यशाला के शुभारंभ पर बोलते प्रोफेसर प्रशांत कुमार और उपस्थित छात्र–छात्राएं।

कड़े परिश्रम से मिलेगी सफलता

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में छात्र–छात्रों के करियर निर्माण व रोजगार सहायता के साथ सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए करियर काउंसिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

करियर काउंसिलिंग कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. मृदुल गुप्त ने कहा कि कड़े परिश्रम से ही सफलता हासिल की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि छात्र–छात्राएं जीवन में पहले अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उसे प्राप्त करने का प्रयास करें।

विश्वविद्यालय के सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र द्वारा करियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डा. अंशुमन शर्मा ने कहा कि दृढ़ निश्चय ही सफलता की कुंजी है।

करियर काउंसर ललित कुमार ने विभागीय योजनाओं एवं पोर्टल पर पंजीकरण के बारे में विस्तार से अवगत कराया। करियर काउंसिलिंग कार्यशाला का संचालन डा. अंजलि मलिक ने किया।

अमरीश पाठक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड दिल्ली क्षेत्र के सलाहकार पैनल में नियुक्त

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के अतिथि प्रवक्ता अमरीश पाठक को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड दिल्ली क्षेत्र के सलाहकार पैनल में नियुक्त किया गया है।

अमरीश पाठक का कार्यकाल 2 वर्ष के लिए होगा। 25 वर्षों से मीडिया में सक्रिय अमरीश पाठक प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में कार्य कर चुके हैं और पांच वर्षों से तिलक पत्रकारिता स्कूल से जुड़े हैं। अमरीश पाठक मेरठ चलचित्र सोसाइटी के महासचिव भी है। उनकी इस उपलब्धि पर तिलक पत्रकारिता स्कूल के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार, डॉ मनोज श्रीवास्तव, अजय मित्तल, लव कुमार, बीनम यादव, नेहा कक्कड़ आदि ने बधाई दी।

जनता की आवाज है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ

वीकेंड अभिव्यक्ति कार्यक्रम में छात्रों ने प्रेस संबंधी कानूनों के बारे में जाना

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में 22 अक्टूबर को 'वीकेंड अभिव्यक्ति' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि डॉ. अपेक्षा चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र के तीनों स्तंभ न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका जब भी अपने कर्तव्य और कार्यों से विमुखता दिखाते हैं लोकतंत्र का चौथा स्तंभ यानी मीडिया जनता की आवाज बनता है।

उन्होंने कहा कि मीडिया के लिए

कोई अलग से कानून नहीं है। उन्होंने वर्नाकुलर प्रेस एक्ट से लेकर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया तक की जानकारी दी। उनके उद्‌बोधन के बाद भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता में भारत अधाना, अमरा और सूर्यप्रताप विजेता रहे जबकि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शुभम यादव और अंश राज विजेता बने। विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने अतिथि का स्वागत किया और लव कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन एमजेएमसी द्वितीय वर्ष की छात्रा निधि शर्मा ने किया।

प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारता और जनसंचार स्कूल में एनवायरमेंटल क्लब और नगर निगम के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सभी से प्लास्टिक का उपयोग न कर कपड़े के थैले का इस्तेमाल करने की अपील की गई। विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने सभी छात्र–छात्राओं को इस संबंध में शपथ भी दिलाई।

एनवायरमेंटल क्लब के संस्थापक सावन कनौजिया ने प्रजेंटेशन के माध्यम से प्लास्टिक और पॉलीथिन का इस्तेमाल करने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन एमजेएमसी की छात्रा साक्षी शर्मा ने किया। इस अवसर पर नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन टीम के सदस्य अंकुर गौतम, नमन के अतिरिक्त डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, लव कुमार सिंह, बीनम यादव, मितेंद्र गुप्ता और भारी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

एमआइआरएफ और क्यूएस रैंकिंग में भी हिस्सा लेगा सीसीएसयू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय अब नैक के बाद एनआइआरएफ यानी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क और क्यूएस यानी क्वैक्यूरेली साइमंड्स एशिया व वर्ल्ड रैंकिंग में हिस्सा लेगा। इस बाबत विश्वविद्यालय में एक नोडल अफसर नियुक्त किए जाएंगे।

इसके अलावा रिसर्च डारेक्टर, परफेक्शन एंड मीडिया सेल भी विकसित किए जाएंगे। साथ ही डाटा सेल बनेगा जिसमें एक डाटा एनलिस्ट की नियुक्ति के लिए शासन को भी अनुमति पत्र भेजा जाएगा। वहीं दूसरी ओर राजभवन ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय में व्याप्त संसाधनों का विवरण मांगा है।

इसमें सीसीएसयू में कौन से संसाधन मौजूद हैं, किन संसाधनों की जरूरत होगी, कितने पदक बढ़ाने होंगे आदि विवरण मांगे गए हैं। विश्वविद्यालय की ओर से दोनों बिंदुओं पर तैयारी के लिए हुई बैठक में आय व व्यय का विवरण तैयार करने के साथ ही अन्य जानकारियों को रिपोर्ट में शामिल किया जा रहा है।

फ्रेशर्स पार्टी में बीजेएमसी और एमजेएमसी से मिस और मिस्टर फ्रेशर्स चुने गये छात्र–छात्राओं विभाग के निदेशक और शिक्षकों के साथ।

फ्रेशर्स पार्टी में नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

नवप्रवेशी युवाओं का जोरदार स्वागत

तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी आयोजित

विनीता सैनी

मेरठ। तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में गुरुवार 17 नवंबर को बीजेएमसी और एमजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं का जोरदार स्वागत हुआ। अवसर था फ्रेशर्स पार्टी का जिसे बीजेएमसी तृतीय, पंचम और एमजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं ने आयोजित किया था। एप्लाइड साइंस विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित पार्टी में गीत, संगीत, नृत्य का खूब समां बंधा। नवप्रवेशी युवाओं ने इस दौरान अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। मिस और मिस्टर फ्रेशर्स का चयन भी किया गया।

फ्रेशर्स पार्टी का शुभारंभ तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार और शिक्षकगण डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, लव कुमार सिंह, अमरीश पाठक व प्रशासनिक अधिकारी मितेंद्र गुप्ता ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम के कुशल संचालन का जिम्मा शिवम प्रताप सिंह, जेसिका सिंह और साक्षी शर्मा ने संभाला।

इस दौरान कावेरी योगी, दीक्षा धामा, अक्षिता, विनीता, मनस्वी, निधि शर्मा और नैना ने अपने नृत्य से दर्शकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं के लिए कई गेम्स का भी आयोजन हुआ।

मिस और मिस्टर फ्रेशर्स चुनने के लिए एक विशेष थीम रखी गई थी। छात्राओं के लिए पर्ल (मोती) और छात्रों को टाई पहनकर आना था। मिस और मिस्टर फ्रेशर्स की प्रतियोगिता के लिए युवाओं ने पहले रैम्प वाक में भाग लिया। उसके बाद उन्होंने अपना परिचय दिया। अंत में निर्णायक मंडल के प्रश्नों का उत्तर दिया। इसी के साथ पूर्व में हुए गेम्स और नृत्य व गायन आदि को भी उनके प्रदर्शन में शामिल किया गया।

निर्णायक मंडल में अमरीश पाठक, लव कुमार सिंह और मितेंद्र गुप्ता शामिल थे। निर्णायक मंडल ने बीजेएमसी प्रथम सेमेस्टर से दीक्षा धामा को मिस फ्रेशर और सूरज सिंह को मिस्टर फ्रेशर चुना।

एमजेएमसी प्रथम सेमेस्टर से सावन कनोजिया और विदुषी अग्रवाल को क्रमश मिस्टर और मिस फ्रेशर चुना गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

इस फ्रेशर्स पार्टी के आयोजन में ट्विंकल शर्मा, जेसिका सिंह, आदर्श, शिवम प्रताप सिंह, साक्षी, वैभव तोमर, अमन, शुभम यादव ने प्रमुख भूमिका निभाई। इस अवसर पर ज्योति, राकेश सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

फैशन का है ये जलवा...

अखबार में छाये तिलक पत्रकारिता स्कूल के छात्र

मेरठ। फ्रेशर्स पार्टी के दौरान ही आईनेक्स्ट समाचार पत्र की ओर से छात्र–छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराई गईं। इन प्रतियोगिताओं में युवाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इसके अतिरिक्त आई–नेक्स्ट समाचार पत्र में इस कार्यक्रम की गतिविधियों और विजेताओं के विवरण को पूरे एक पेज पर छापा गया।

फ्रेशर्स पार्टी में युवाओं ने कुछ इस अंदाज में भागीदारी की।